→ माही नदी :→

उपनाम → आदिवासियों की गंगा, वागड़ की गंगा, कांठल की गंगा

→ उद्गम → अममोरू पहाड़ी मेहद झील, सरदारपुरा गाँव, धार जिला, MP

→ कुल लम्बाई - 576 किलोमीटर, राजस्थान मे लंबाई - 171 किलोमीटर

→ यह मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात तीन राज्यो मे बहती है।

→ यह राजस्थान मे खाँदू गाँव (बाँसवाड़ा) से प्रवेश करती है।

→ यह नदी बाँसवाड़ा, प्रतापगढ़, बाँसवाड़ा, डूँगरपुर की सीमा बनाते हुए गुजरात मे प्रवेश कर खम्भात की खाड़ी के माध्यम से अरब सागर

मे गिरती है।

→ राजस्थान मे अन्तिम बिंदू - सलवारी गाँव (डूंगरपुर) है।

→ यह नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।

→ यह नदी दक्षिणी दिशा से प्रवेश करती है और दक्षिणी दिशा से ही बाहर निकलती है।

→ यह नदी उल्टे U(∩) के आकार मे बहती है।

→ यह नदी प्रतापगढ़ व बाँसवाड़ा के मध्य छप्पन मैदानी गाँव का समूह बनाती है। जिसे छप्पन का मैदान कहते है।

→ इस नदी मे नवाटापुरा, बेणेश्वर (डूँगरपुर) मे सोम व जाखम नदियां मिलकर त्रिवेणी संगम बनाती है।

नोट → बेणेश्वर मे खण्डित शिवलिंग की पूजा की जाती है।

→ बेणेश्वर मे माघ पूर्णिमा को मावजी का मेला भरता है जिसे आदिवासियों का कुंभ कहते है।

→ माही नदी पर डूँगरपुर का गलियाकोट शहर स्थित है जो दाऊदी बोहरा सम्प्रदाय व रमकड़ा कला का केन्द्र माना जाता है

→ माही नदी से डूँगरपुर के सागवाड़ा कस्बे को जल देने हेतु भीखा भाई सागवाड़ा नहर निकाली गई है।

→ माही नदी पर बाँध :→

① माही बजाज सागर बाँध (बोरखेड़ा, बाँसवाड़ा)
② कागदी-पिक-अप बाँध (कागदीगाँव, बाँसवाड़ा)
③ कडाना बाँध → महीसागर (गुजरात)

→ त्रिवेणी संगम → ① → माही-सोम-जाखम - नवेटापुरा (डूँगरपुर)

→ सहायक नदियां :→ सोम, जाखम, चाप, अनास, हरण, दर, ईरू, लाखन, मोरेन, भादर

→ चाप व अनास नदियां बाँयी तरफ से व अन्य सभी दाँयी तरफ से मिलती हैं।

→ सोम नदी :→

उद्गम → बाबलवाड़ा के जंगल बिच्छामेड़ा पहाड़ी (उदयपुर)

→ यह नदी उदयपुर -सलूम्बर व डूँगरपुर मे बहते हुए नवाटापुरा/ नवेटापुर से माही नदी मे मिल जाती है।

→ बाँध → सोम कागदर बाँध (उदयपुर)

→ जाखम नदी :→

उद्गम • भंवर माता पहाड़ी, छोटी सादड़ी (प्रतापगढ़)

→ प्रतापगढ़ व डूँगरपुर मे बहते हुए नवेटापुर से सोम के माध्यम से माही नदी मे मिलती है।

→ बाँध → जाखम बाँध (प्रतापगढ़) → राज्य का सबसे ऊँचा बाँध (81 मीटर)

→ **अनास नदी** → उद्गम - आम्बेर (mp)

→ **चाप नदी** :→ कालीजंर (बाँसवाड़ा)

⇒ **बंगाल की खाड़ी का प्रवाह क्रम** :→

→ **चंबल नदी** :→

उपनाम → चर्मणवती, नित्यवाहनी, सदावाहनी, मालव गंगा, हाड़ौती की भाग रेखा, राजस्थान की कामधेनू

→ उद्गम → जानापाव की पहाड़ी, महू गाँव, इन्दौर - मध्य प्रदेश

→ कुल लम्बाई - 1051 किलोमीटर

→ राजस्थान में लम्बाई → 322 किलोमीटर

नोट :- H.M सक्सेना के अनुसार इस नदी की कुल लम्बाई 966 किलोमीटर व राजस्थान में 135 किलोमीटर है।

→ यह नदी मध्यप्रदेश - राजस्थान - उत्तर प्रदेश तीन राज्यो मे बहती है।